BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:.........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (01.04.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 01.04.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू : स्नातक में दाखिले के लिए आवेदन के नियम बदलेंगे

नामांकन के लिए एक ही जिले में कर सकेंगे आवेदन

हि विशेष

- मुजफ्फरपुर चुनने के बाद इसी जिले के कॉलेजों का मिलेगा विकल्प
- पहले बिहार बोर्ड और उसके बाद सीबीएसई के छात्र कर सकेंगे आवेदन

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में इस वर्ष से स्नातक में नामांकन के आवेदन का फार्मेट बदलने जा रहा है। इसबार छात्र एक ही जिले के कॉलेजों में आवेदन कर सकेंगे। यानी मुजफ्फरपुर जिला चुनने वाले छात्रों को मुजफ्फरपुर जिले के ही कॉलेजों का विकल्प आवेदन करने के लिए मिलेगा। इसी तरह पूर्वी चंपारण जिले को चुनने वाले छात्रों को उसी जिले के कॉलेजों का विकल्प आवेदन के लिए मिलेगा।

बीआरएबीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह ने बताया कि कॉलेज चुनने की प्रक्रिया में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। कुलपति से आदेश मिलने और एडमिशन कमेटी से पास होने पर इसपर आगे काम किया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की तरफ से इंटर का रिजल्ट जारी होने के बाद स्नातक में दाखिले के लिए अप्रैल के तीसरे सप्ताह में आवेदन के लिए पोर्टल खोला जायेगा।

पोर्टल दो बार खोलने पर हो रहा है विचारः बीआरएबीयू में स्नातक में दाखिले के लिए पोर्टल दो बार खोलने पर विचार किया जा रहा है। पहले बिहार बोर्ड व उसके बाद सीबीएसई के छात्रों के लिए पोर्टल खोला जायेगा। जून तक दाखिले की प्रक्रिया पूरी कर लेनी है। जुलाई से स्नातक का सत्र शुरू कर दिया जाएगा। स्नातक में दाखिले को छात्र ऑनलाइन आवेदन करेंगे। आवेदन में मोबाइल नंबर व ईमेल आईडी अनिवार्य तौर पर देना होगा। मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी पर उन्हें दाखिले से संबंधित सूचना दी जाएगी।

विषयवार जारी होगी मेरिट लिस्टः स्नातक में विषय वार मेरिट लिस्ट जारी होगी। मेरिट में आरक्षण रोस्टर का पालन किया जाएगा। राजभवन के निर्देश के अनुसार स्नातक में सिर्फ पास अंक पर ही दाखिला लिया जाना है। आवेदन के बाद छात्रों के उनके अंकों के आधार पर कॉलेजों का आवंटन किया जाएगा। आवेदन करने में छात्रों को 300 रुपये लगेंगे।

पौने दो लाख सीटों के लिए लिया जाएगा आवेदन

स्नातक में इसबार पौने दो लाख सीटों के लिए आवेदन लिया जाएगा। नये संबद्ध कॉलेजों के जुड़ने से सीटों में वृद्धि की संभावना है। पिछले साल 131 कॉलेजों में दाखिला लिया गया था। हर साल लगभग डेढ़ लाख छात्र दाखिला लेते हैं। इसबार पौने दो लाख सीटों के लिए आवेदन लिया जाएगा। कॉलेजों के बढ़ने से बीआरएबीयू बिहार में सबसे अधिक कॉलेजों वाला विश्वविद्यालय बन गया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN
MUZAFFARPUR
DATE:01.04.2025
PAGE-04

सिंडिकेट बैठक की फिर बदली तिथि, कालेजों के संबंधन प्रस्ताव पर संशय

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सिंडिकेट की बैठक की तिथि एक बार फिर बदली गई है। अब चार और सात अप्रैल को सिंडिकेट की बैठक होगी। इसमें नए वित्तीय वर्ष के लिए विश्वविद्यालय के बजट का अनुमोदन होगा। वहीं नए शैक्षणिक सत्र के लिए कालेजों के संबंधन संबंधी प्रस्ताव को भी रखा जाना है। कालेजों के संबंधन संबंधी प्रस्ताव पर संशय की स्थिति कायम है। पिछले दिनों न्यू टीचिंग एंड एफलिएशन कमिटि की बैठक के बाद कालेजों के संबंधन प्रस्ताव को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा गया था। इसमें रजिस्ट्रार समेत अन्य सदस्यों ने कई कालेजों के आधारभूत संरचना की कमी व जांच में मानकों का पालन नहीं करने की बात कही थी। इसके बाद एकेडमिक काउंसिल के सदस्यों ने कालेजों को संबद्धता देने से पहले जांच के लिए कुलपति को अधिकृत किया था। अब कालेजो के संबंधन संबंधी प्रस्ताव पर सिंडिकेट की बैठक पर सबकी की नजर है। सदस्यों ने बताया बगैर जांच कालेजों के संबंधन प्रस्ताव का विरोध करेंगे।

पीजी विभाग के शिक्षकों का वेतन ट्रेजरी भेजा : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीजी विभाग के शिक्षकों का एक महीने का वेतन सोमवार को ट्रेजरी भेजा गया है। वहीं कालेज के शिक्षकों के लिए सोमवार को प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी। एक से दो दिनों में उन्हें वेतन मिलेगा।

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:01.04.2025, PAGE-04

नियमित प्राचार्य के लिए चयनित नहीं होने वाले कालेजों के प्रभारी पहले हटेंगे

24 नियमित प्राचार्य आयोग की ओर से मिले हैं विश्वविद्यालय को

विश्वविद्यालय प्रशासन तैयार कर रहा प्रस्ताव, कालेजों में नियमित प्राचार्यों के पदस्थापन के लिए आयोग से भेजी सूची का इंतजार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से नियमित प्राचार्यों की नियुक्ति प्रक्रिया में चयनित नहीं होने वाले बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के प्रभारी प्राचार्यों को पहले हटाया जाएगा। इसकी तैयारी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से की जा रही है। आयोग की ओर से पिछले दिनों हुई नियुक्ति प्रक्रिया में आवेदन करने के बाद प्राथमिक या अंतिम स्तर तक किसी भी चरण से बाहर होने वाले ऐसे प्रभारी प्राचार्यों को पहले बदला जाएगा। इन कालेजों में सबसे पहले नियमित प्राचार्य भेजे जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन इसका प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सात कालेजों में ही नियमित प्राचार्य हैं। आयोग की ओर से अंगीभूत कालेजों में नियमित प्राचार्यों के लिए चयन प्रक्रिया हुई। इसमें बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के दर्जनों शिक्षकों व प्रभारी प्राचार्यों ने आवेदन किया। कई शिक्षक नियमित प्राचार्य बने तो कई प्रभारी प्राचार्य व शिक्षकों का चयन नहीं हो सका है। वहीं कुछ का आवेदन प्रथम स्तर में ही रिजेक्ट हो गया था तो कई साक्षात्कार राउंड तक पहुंचे थे। ऐसे शिक्षकों को मेधा सूची में नाम का इंतजार था, लेकिन आयोग की ओर से जारी सूची में उनका नाम नहीं था। अब विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे कालेजों के प्रभारी प्राचार्य को हटाकर वहां नियमित प्राचार्य को पदस्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय को बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से प्राचार्यों की भेजी गई सूची का इंतजार है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस सप्ताह तक सूची प्राप्त हो जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि किसी कारणवश चयनित नहीं होने वाले कालेजो के प्रभारी प्राचार्यों को पहले बदला जाएगा। उल्लेखनीय है कि आयोग की ओर से विश्वविद्यालय को 24 नियमित प्राचार्य मिले हैं।

अंत तक भरा गया थर्ड सेमेस्टर का परीक्षा फार्म : स्नातक थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा से पहले अंतिम समय तक फार्म भराया जा रहा है। सोमवार तक कई कालेजों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा फार्म भरा है। दूसरी ओर शनिवार को ही विश्वविद्यालय की ओर से भरे गए फार्म के आधार पर एडमिट कार्ड जारी किया गया। अब तक कितने छात्र-छात्राओं का एडमिट कार्ड जारी किया गया है इसका कोई भी डाटा परीक्षा विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। तीन अप्रैल से थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा शुरू होनी है। अब तक कालेजों में छात्र-छात्राओं को एडमिट कार्ड प्राप्त नहीं हो सका है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय प्रेस से शुरू हुई छपाई

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद एकबार फिर से छपाई का कार्य शुरू हो गया है। इस कड़ी में नोटशीट, क्वेश्चन सेटिंग पेपर, टीए बिल व अटेंडेंस रजिस्टर की छपाई शुरू की गई है। विश्वविद्यालय में नोटशीट समाप्त हो गई थी। प्रेस में काफी पेपर उपलब्ध है। मशीनों की साफ-सफाई समेत कुछ खर्चों के साथ वापस छपाई का कार्य शुरू किया गया है। पीजी विभागों में अटेंडेंस रजिस्टर की छपाई पहले हो चुकी है। पीजी के नए सत्र में नामांकित विद्यार्थियों की उपस्थिति अटेंडेंस रजिस्टर पर होगी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 01.04.2025, PAGE-04

विश्वविद्यालय के एकेडमिक, फाइनेंसियल व डेवलपमेंट से जुड़े प्रस्तावों पर होगा निर्णय

चार व सात अप्रैल को सिंडिकेट की बैठक

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सिंडिकेट की पहली बैठक चार अप्रैल को होगी. वहीं, सिंडिकेट की दूसरी बैठक के लिए 7 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गयी है. बता दें कि सीनेट की बैठक से पहले सिंडिकेट की दो बैठक करानी होती है. एक बैठक में विश्वविद्यालय के एकेडमिक, फाइनेंसियल व डेवलपमेंट से जुड़े प्रस्ताव स्वीकृत कराए जाते हैं, जो संबंधित निकायों से स्वीकृति के बाद रखे जाते हैं. वहीं, दूसरी बैठक में सीनेट की बैठक बुलाने का प्रस्ताव स्वीकृत कराया जाता है. सिंडिकेट से

स्वीकृत कराकर ही एजेंडा सभी सदस्यों को भेजा जाता है. हर बार विलंब से एजेंडा मिलने के कारण भी सीनेट की बैठक में सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ता है. एक सीनेट सदस्य ने बताया कि बैठक से 15 दिन पहले एजेंडा मिल जाना चाहिए. इसके लिए सीनेट से 21 दिन पहले सिंडिकेट की बैठक कराने का प्रावधान है. विश्वविद्यालय हर बार विलंब से तैयारी शुरू करता है, और यह कहकर एजेंडा पास करा लिया जाता है कि समय ही नहीं मिला. पहले से एजेंडा मिलेगा, तो सदस्य उसे अच्छी तरह देखकर बैठक में आएंगे. ऐसे तो अधिकतर सदस्यों को पता ही नहीं रहता है कि क्या-क्या एजेंडा है.

इस तरह बढ़ती गयी बैठक की तिथि

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक के लिए 27 मार्च की तिथि तय की गयी थी. इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से तैयारी शुरू कर दी गयी. इस बीच सदन की कार्रवाई को लेकर राजभवन के निर्देश पर बैठक स्थगित कर दी गयी. इसके बाद विश्वविद्यालय ने 12 अप्रैल को बैठक कराने का प्रस्ताव भेजा, जिस पर राजभवन की सहमति भी मिल गयी. लेकिन, विश्वविद्यालय के कामकाज की स्थिति ऐसी है कि 17 दिन अतिरिक्त मिलने के बाद भी तैयारियां पूरी नहीं हो सकी है. यहां तक कि सीनेट से पहले होने वाली सिंडिकेट की बैठक को लेकर भी अड़चन दूर नहीं हो सकी है, जिसके कारण बैठक को री-शेड्यूल करना पड़ा.

संबंद्धन प्रस्ताव पर असमंजस की स्थिति

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कुलसचिव की ओर से प्रस्तावित कॉलेजों की जांच रिपोर्ट और मानक को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद सहमति नहीं बन सकी. विश्वविद्यालय से संबंद्धन के लिए न्यू टीचिंग एंड एफिलिएशन कमेटी ने 38 कॉलेजों के प्रस्ताव को मंजूरी दी है. ऐसे में प्रस्ताव को अब तक एकेडमिक काउंसिल से स्वीकृति नहीं मिल सकी है. सदस्यों ने इसके लिए कुलपति को अधिकृत कर दिया, जबकि कुलपति स्वास्थ्य कारणों से मुख्यालय से बाहर है.

इस खबर को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन करें.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 01.04.2025, PAGE-04

तीन अप्रैल से होने वाली थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर छुट्टी के दिन होती रही तैयारी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2023-27 के थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा 3 अप्रैल से शुरू होगी. इसको लेकर करीब दो सप्ताह पहले कार्यक्रम जारी कर दिया गया. परीक्षा शुरू होने से दो दिन पहले तक विश्वविद्यालय एडमिट कार्ड तैयार करने में ही जुटा रहा. देर शाम बताया गया कि थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा में कितने परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, इसकी जानकारी मंगलवार को हो सकेगी. दरअसल, कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक हो रही लापरवाही के कारण परीक्षा का बोझ बढ़ता जा रहा है. सोमवार को छुट्टी के दिन भी विश्वविद्यालय में परीक्षा की तैयारी चलती रही. विलंब से परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों का एडमिट कार्ड तैयार कर कॉलेजों को भेजा गया. बताया गया कि अधिकतर परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड शनिवार को देर रात भेज दिया गया था. सेमेस्टर सिस्टम में हर छह महीने पर परीक्षा करानी है, जबकि विश्वविद्यालय एक से डेढ़ महीने तक परीक्षा फॉर्म भरवाने में ही निकल जाता है. थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा में पहले ही देर हो चुकी है. इसके बाद भी 10 फरवरी से 28 मार्च तक फॉर्म भरा गया. सत्र 2023-27 के फर्स्ट सेमेस्टर में 1.49 लाख छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ था. परीक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि अब तक करीब एक लाख परीक्षार्थियों का ही फॉर्म भरा जा सका है.